

उदा. कर्णधार 2. एक प्रत्यय जो कुछ हिंदी धातुओं के अंत में लगकर धारक, कर्त्ता आदि का अर्थ देता है जैसे- लिखधार-लिखने वाला।

धारक वि. (तत्.) 1. धारण करने वाला 2. उधार लेने वाला 3. वहन करने वाला पुं. कलश, घड़ा, पात्र।

धारका स्त्री. (तत्.) योनि, भग।

धारण पुं. (तत्.) 1 किसी वस्तु का आधार बनना 2. वस्तु को ग्रहण करना, अंगीकार करना उदा. पदवी धारण करना 3. पकड़ना, उठाना, थामना उदा. शस्त्र धारण करना 4. पहनना उदा. वस्त्र धारण करना, आभूषण धारण करना 5. ऋण या उधार लेना 6. स्मरण रखना 7. संकल्प करना उदा. व्रत धारण करना 8. खाद्य रूप से सेवन करना, खाना 9. शिव 10. कश्यप के एक पुत्र का नाम 11. स्तन।

धारणक पुं. (तत्.) ऋणी, कर्जदार।

धारणशीलता स्त्री. (तत्.) धारण करने की शक्ति।

धारणा योग पुं. (तत्.) प्रगाढ़, समाधि।

धारणा स्त्री. (तत्.) 1. विचार, विश्वास, निश्चित मति उदा. उनके भ्रष्ट आचरण को देखते हुए उनके बारे में मेरी धारणा अच्छी नहीं है 2. धारण, ग्रहण, पालन आदि करने की क्रिया या भाव 3. वह शक्ति जिससे कोई बात मन में धारण की जाती या समझी जाती है, बुद्धि 4. मन या ध्यान में रखने की वृत्ति, स्मृति, याद 5. योग में आठ अंगों में से एक 6. पूरक, रेचक एवं कुम्भक प्राणायामों द्वारा प्राण का निरोध 7. मर्यादा 8. ज्येष्ठ शुक्ला अष्टमी से एकादशी तक एक वृष्टिसूचक योग।

धारणावधि स्त्री. (तत्.) वह अवधि या समय जब तक कोई पद, संपत्ति आदि धारण की जाये अथवा उसका उपयोग किया जाए।

धारणावान् वि. (तत्.) मेधावी, मेधाशाली, जिसकी धारणा शक्ति बहुत प्रबल हो।

धारणा शक्ति स्त्री. (तत्.) बात अथवा तथ्य को मस्तिष्क में लंबे समय तक धारण करने की शक्ति।

धारणिक पुं. (तत्.) 1. ऋणी, कर्जदार 2. धन जमा करने की जगह 3. वह व्यक्ति जिसके पास कोई चीज अमानत या धरोहर के रूप में रखी जाए।

धारणी स्त्री. (तत्.) 1. धारण करने वाली, पृथ्वी 2. नाड़िका, नाड़ी 3. पंक्ति, श्रेणी 4. सीधी लकीर 5. बौद्ध-तंत्र का एक व्यवहार।

धारणीय वि. (तत्.) धारण करने योग्य, जिसे धारण करना उचित हो पुं. 1. धरणीकंद 2. तंत्रिकों का एक प्रकार का मंत्र स्त्री. धारणीया।

धारदार वि. (तत्+फा..) धार वाला, पैना उदा. जान पड़ा कि किसी धारदार हथियार से उस पशु को घायल किया गया था।

धारन पुं. (तद्.) दे. धारण।

धारना स.क्रि. (तद्.) 1. धारण करना, अपने ऊपर लेना 2. ऋण लेना, उधार लेना स.क्रि. दे. ढारना।

धारयंत्र पुं. (तत्.) यंत्र जिससे जल, धारा के रूप में निकले जैसे- फुहारा, फव्वारा, पिचकारी।

धारयिता वि. (तत्.) 1. धारण करने वाला।

धारयित्री स्त्री. (तत्.) 1. धारण करने वाली 2. पृथ्वी।

धारांकुर पुं. (तत्.) 1. जल का कण 2. ओला 3. सरल का गोंद।

धारांग पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन तीर्थ का नाम 2. तलवार।

धारा स्त्री. (तत्.) द्रव या तरल पदार्थ की अटूट गति, अखंड, प्रवाह, धार, बहाव, गिराव उदा. नदी की धारा 2. वर्षण 3. हथियार की धार 4. पानी का झरना, सोता, चश्मा 5. बहुत अधिक वर्षा 6. साहित्य का प्रवाह या उपविभाग जैसे-छायावादी काव्यधारा, सूफी काव्यधारा 7. नियम या विधान का वह अंश या भाग जिसमें विषय से संबंधित सभी बातें स्पष्ट की जाती हैं, दफा (सेक्शन) उदा. भारतीय संविधान की धारा 356 8. यश, कीर्ति 9. राजा भोज के समय मालवा की राजधानी 10. महाभारत के अनुसार एक प्राचीन तीर्थ का नाम 11. झुंड समूह 12. संतान 13.